हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) नीति

जुलाई 2024

विषय-सूची

	पृष्ठ संख्या
1. परिचय	03
1.1 हमारी कंपनी का संक्षिप्त इतिहास	03
1.2 हमारे मुख्य उद्देश्य	03
1.3 ईएसजी नीति की आवश्यकता	03
2. ईएसजी नीति दृष्टिकोण और शासन	05
3. प्रमुख फोकस क्षेत्र	06
3.1 पर्यावरणीय लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता	06
i. हरित ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना	06
ii. पर्यावरण और सामाजिक जोखिम प्रबंधन	07
iii. सतत अपशिष्ट प्रबंधन	07
iv. हरित वित्तपोषण मैकेनिज्म	08
3.2 सामाजिक लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता	09
i. सतत, समावेशी और किफायती सामाजिक आवास	09
ii. सीएसआर (CSR) पहल	09
iii. कौशल विकास अभियान	10
iv. सामाजिक प्रभाव बांड/ऋण	11
3.3 खरीद प्रक्रियाएं	11
3.4 सशक्त कार्यबल का निर्माण	11
3.5 ग्राहक अनुभव बढ़ाना	13
3.6 हितधारकों के प्रति पारदर्शिता और जवाबदेही	14
3.7 कॉर्पोरेट प्रशासन के प्रति प्रतिबद्धता	14
4. ईएसजी प्रकटीकरण और रिपोर्ट	15
अनुलग्नक-I: ईएसजी नीति की रिपोर्टिंग के लिए संबंधित विंग/विभाग	16

1. परिचय

1.1 कंपनी का संक्षिप्त इतिहास

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको), एक प्रमुख राष्ट्रीय स्तर का तकनीकी-वित्तीय संगठन है, जिसे वर्ष 1970 में भारत सरकार के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में स्थापित किया गया था। इसका मुख्य जोर पूरे देश में आवास और शहरी विकास परियोजनाओं के वित्तपोषण और उन्हें शुरू करने पर है। कंपनी 'सामाजिक न्याय के साथ लाभप्रदता' सुनिश्चित करने के लिए, सक्रिय ग्राहक संवेदी और जोखिम उत्तरदायी दृष्टिकोण के माध्यम से काम करते हुए, सतत आवास विकास को बढ़ावा देने हेतु तकनीकी-वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अपनी स्थापना के समय से ही, हडको मुख्य रूप से सतत और किफायती आवास के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, विशेष रूप से समाज के ईडब्ल्यूएस/एलआईजी और अन्य कमजोर सामाजिक-आर्थिक समूहों को लक्षित करते हुए, इसने 2 करोड़ से अधिक घरों की सुविधा प्रदान की है। इसके अलावा, हडको स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्रियों और औद्योगिक कचरे का उपयोग करके नवीन और लागत प्रभावी हरित निर्माण प्रौद्योगिकियों और निर्माण सामग्री को बढ़ावा दे रहा है। आवास के अलावा, हडको पूरे देश में सतत और समावेशी इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए जल आपूर्ति, स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शहरी परिवहन जैसी मुख्य शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं से लेकर बिजली और हरित ऊर्जा क्षेत्र जैसी वाणिज्यिक इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के तकनीकी-वित्तपोषण में भी संलग्न है।

1.2 मुख्य उद्देश्य

कंपनी का मुख्य उद्देश्य देश में आवास और शहरी विकास कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए दीर्घकालिक वित्त प्रदान करना है; नए या सैटेलाइट शहरों, और भवन निर्माण सामग्री से जुड़े औद्योगिक उद्यमों की स्थापना के लिए वित्तपोषण करना; राज्य आवास बोर्डों/विकास प्राधिकरणों आदि द्वारा आवास के वित्तपोषण के उद्देश्य से जारी किए गए डिबेंचर और बॉन्ड में निवेश करना; आवास और शहरी विकास कार्यक्रमों के लिए परामर्श सेवाएं प्रदान करना; और आवास तथा शहरी विकास कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए सरकार से समय-समय पर अनुदान या अन्य माध्यमों से प्राप्त धन का प्रबंधन करना है। निगम का मुख्यालय राष्ट्रीय राजधानी, नई दिल्ली में स्थित है और यह 21 क्षेत्रीय तथा 11 विकास कार्यालयों के अपने राष्ट्रव्यापी नेटवर्क में कार्यरत एक सशक्त और बहु-विषयक कार्यबल के माध्यम से अपना संचालन करता है।

1.3 ईएसजी (ESG) नीति की आवश्यकता

हाल के वर्षों में, बदलाव के प्रभावों के अनुरूप ढलना और उन्हें कम करना, तथा सतत विकास की ओर बढ़ना वैश्विक स्तर पर मुख्य केंद्र बिंदु बनकर उभरे हैं। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन, बाढ़ का जोखिम और समुद्र के बढ़ते जल स्तर, निजता और डेटा सुरक्षा, जनसांख्यिकीय बदलाव और विनियामक दबाव जैसी वैश्विक स्थिरता से जुड़ी चुनौतियाँ निवेशकों के लिए ऐसे नए जोखिम कारक पैदा कर रही हैं, जो शायद

पहले कभी नहीं देखे गए थे। जैसे-जैसे कंपनियाँ वैश्विक स्तर पर बढ़ती जटिलताओं का सामना कर रही हैं, निवेशक निवेश के अपने पारंपरिक तरीकों का पुनर्मूल्यांकन कर सकते हैं। इसलिए, पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन (ESG) की अवधारणा कंपनियों के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जिसके माध्यम से वे विभिन्न पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन संबंधी विनियामक जोखिमों का पालन करते हुए अपने निवेशकों और हितधारकों के प्रति जवाबदेह बनी रह सकती हैं। इस संदर्भ में, ESG नीति एक ऐसा दस्तावेज़ है जो ESG के प्रति किसी संगठन के दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

भारतीय संदर्भ में, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन जोखिमों के महत्वपूर्ण आर्थिक और वित्तीय प्रभाव की पहचान लगातार बढ़ रही है । हाल के वर्षों में, भारत में कई ईएसजी फंड लॉन्च किए गए हैं । जैसे-जैसे ईएसजी निवेश मुख्यधारा बन रहा है, निवेशकों और नियामकों दोनों द्वारा कंपनियों से अपने हितधारकों को ईएसजी से संबंधित प्रकटीकरण करने का आग्रह किया गया है । इसी को ध्यान में रखते हुए, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने बाजार पूंजीकरण के अनुसार शीर्ष 1,000 सूचीबद्ध कंपनियों के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 से 'बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग' के अनुसार ईएसजी प्रकटीकरण करना अनिवार्य कर दिया है।

हमेशा की तरह, यह अनिवार्य है कि हडको भी पर्यावरण, ग्राहकों, कर्मचारियों और व्यापक रूप से समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव डालने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहे और पर्यावरण एवं समाज के प्रति सुदृढ़ बना रहे । हडको की ईएसजी नीति इसके 'विजन' और 'मिशन' बयानों के अनुरूप है, जो सतत विकास और जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिकता के महत्व को स्वीकार करते हैं।

उद्देश्य

"जनमानस के आजीविका बदलाव के लिए सुदृढ़ पर्यावास को बढ़ावा देते हुए अग्रणी तकनीकी-वित्तीय संगठनों में स्थान बनाना".

लक्ष्य

"जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के लिए सुदृढ़ पर्यावास विकास को बढ़ावा देना"

यह नीतिगत फ्रेमवर्क हडको के व्यावसायिक भूमिकाओं और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं के निर्वहन में अपनी रणनीति, प्रक्रियाओं और प्रकटीकरणों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ईएसजी मानकों के साथ संरेखित करने के दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है । यह सतत विकास को बढ़ावा देने, समावेशी विकास को प्रोत्साहित करने और हितधारक मूल्य बढ़ाने के लिए एक फ्रेमवर्क प्रदान करता है।

एक ज़िम्मेदार संगठन के तौर पर, हडको भारत को संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्यों के रूप में 2030 के सतत विकास एजेंडा को प्राप्त करने में मदद करने में अपनी भूमिका को पहचानता है। इस दिशा में, हडको की ESG नीति विशेष रूप से इन लक्ष्यों के अनुरूप है: शहरों और मानव बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित, रेजिलियेंट और सुदृढ़ बनाना (SDG 11); सभी के लिए पानी और स्वच्छता की उपलब्धता

और सुदृढ़ प्रबंधन सुनिश्चित करना (SDG 6); सभी के लिए किफायती, भरोसेमंद, सुदृढ़ और आधुनिक ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करना (SDG 7); निरंतर, समावेशी और सुदृढ़ आर्थिक विकास, पूर्ण और उत्पादक रोज़गार और सभी के लिए सम्मानजनक काम को बढ़ावा देना (SDG 8); रेजिलियेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाना, समावेशी और सुदृढ़ औद्योगीकरण को बढ़ावा देना और नवाचार को बढ़ावा देना (SDG 9); और जलवायु परिवर्तन तथा इसके प्रभावों से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई करना (SDG 13)।

2. ईएसजी (ESG) नीति दृष्टिकोण और शासन

कंपनियों, निवेशकों और हितधारकों के बीच मौजूद सूचनाओं के अंतर को पाटने के लिए ईएसजी प्रबंधन और प्रदर्शन के बारे में जानकारी का प्रसार करना महत्वपूर्ण है । इससे कंपनियों को अधिक सुदृढ़ व्यावसायिक प्रथाओं को अपनाने और एक रेजिलियेंट अर्थव्यवस्था के विकास में सहायता करने के लिए संसाधनों तक पहुँच प्राप्त करने की क्षमता बढ़ेगी।

यह नीतिगत फ्रेमवर्क आंतरिक और बाहरी हितधारकों के लिए ईएसजी और दीर्घकालिक मूल्य निर्माण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है, जिसमें ग्राहक, कर्मचारी, निवेशक, नियामक, व्यावसायिक भागीदार और समुदाय के सदस्य शामिल हैं । हडको भारत में आवास प्रदान करने और सुदृढ़ शहरी विकास के लिए एक अग्रणी उत्प्रेरक बनने की परिकल्पना करता है, जिसकी प्रतिबद्धता निम्नलिखित पर केंद्रित है:

- **पर्यावरणीय स्थिरता:** हडको उन परियोजनाओं को वित्तपोषित और समर्थन देकर पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है जो जलवायु परिवर्तन को कम करती हैं, संसाधन दक्षता बढ़ाती हैं और प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र को संरक्षित करती हैं । हडको उन गतिविधियों और उपक्रमों में खुद को शामिल करना जारी रखेगा जो हरित ऊर्जा, पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देते हैं और पर्यावरणीय जोखिमों को कम करते हैं।
- **सामाजिक जिम्मेदारी:** हडको समाज के हाशिए पर रहने वाले और कमजोर वर्गों को लक्षित करने वाले किफायती आवास, सुदृढ इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं और सामुदायिक विकास पहलों के वित्तपोषण को प्राथमिकता देकर सामाजिक समावेश और न्यायसंगत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो वंचित समुदायों का उत्थान करते हैं और समुदायों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाते हैं।
- **शासन उत्कृष्टता**: हडको अपने सभी कार्यों में कॉर्पोरेट प्रशासन, पारदर्शिता और नैतिक आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का प्रयास करता है, जिससे हितधारकों के बीच विश्वास पैदा हो और सकारात्मक सामाजिक और पर्यावरणीय परिणाम देने के लिए जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

हडको ने अपने सभी कार्यों जैसे व्यावसायिक संचालन, कॉर्पोरेट प्रशासन (गवर्नेंस), कर्मचारी कल्याण, सीएसआर (CSR) प्रयासों आदि में ईएसजी सिद्धांतों के पालन को लगातार प्राथमिकता दी है । ईएसजी नीति फ्रेमवर्क हडको द्वारा शुरू की गई सभी ईएसजी पहलों और गतिविधियों के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में कार्य करेगा।

नीति को क्रियान्वित करने के लिए, सीएमडी ,हडको द्वारा एक **पर्यावरण, सामाजिक और शासन समिति** का गठन किया जाएगा, जिसमें संचालन, प्रशासन, मानव संसाधन , सीएसआर , आईटी , संसाधन आदि जैसे प्रमुख प्रभागों के विभागाध्यक्षों का प्रतिनिधित्व होगा । यह समिति ईएसजी नीति फ्रेमवर्क के समग्र कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार होगी और विभिन्न कार्यों में ईएसजी प्रदर्शन की समीक्षा करेगी तथा समय-समय पर रिपोर्ट के माध्यम से प्रबंधन को प्रगति की जानकारी देगी। ईएसजी नीति की देखरेख **जोखिम प्रबंधन समिति** द्वारा की जाएगी।

इस फ्रेमवर्क के दस्तावेज में उल्लिखित ईएसजी नीतियां और फोकस क्षेत्र, उभरते जोखिमों और अवसरों के आधार पर संशोधन के अधीन हो सकते हैं । नीति फ्रेमवर्क की समीक्षा कार्यान्वयन के एक वर्ष की समाप्ति पर और उसके बाद इसकी निरंतर उपयुक्तता, पर्याप्तता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता के आधार पर की जाएगी।

3. प्रमुख फोकस क्षेत्र

3.1 पर्यावरणीय लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता

(i) हरित ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना:

यह बड़े गर्व की बात है कि देश के प्रमुख तकनीकी-वित्तीय संस्थान के रूप में हडको का योगदान केवल आवास वित्त तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सुदृढ़ शहरी विकास और हरित भवन पहलों के लिए विभिन्न अन्य प्रासंगिक पहल शामिल हैं। हडको ने लंबे समय से उपयुक्त डिजाइन और सामग्री के माध्यम से लागत प्रभावी और ऊर्जा कुशल निर्माण का समर्थन किया है। हडको ऊर्जा-कुशल भवनों, हरित इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास, मेट्रो रेल सहित सुदृढ़ गतिशीलता इन्फ्रास्ट्रक्चर, ई-वाहनों, सौर पार्कों, क्षमता निर्माण के हस्तक्षेप, वकालत और नवाचारों एवं पहलों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कारों की स्थापना में सबसे आगे है, जो हमारे शहरों को समावेशी, रहने योग्य और पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ बनाने, ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को कम करने में योगदान देते हैं।

हडको ने खुद को भारत सरकार के उन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के साथ जोड़ा है, जिनका लक्ष्य 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावॉट तक पहुँचाना और 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त करना है। हडको विभिन्न गैर-पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में अपने उल्लेखनीय निवेश के माध्यम से इस लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करेगा । इसके अलावा, हडको पुराने वाहनों को ऊर्जा कुशल ई-वाहनों से बदलने और/या पर्यावरण को अधिक हरित बनाने के लिए नए ई-वाहनों की खरीद हेतु राज्य परिवहन उपक्रमों को वित्त पोषण भी प्रदान करेगा।

जलवायु परिवर्तन से निपटने और कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने की हमारी रणनीति के हिस्से के रूप में हडको निम्नलिखित प्रयास करेगा: -

- यह सुनिश्चित करना कि इसके स्वामित्व वाले सभी परिसर स्वच्छ नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित हों।

- ऊर्जा कुशल प्रथाओं को अपनाना, जैसे ऊर्जा ऑडिट करना, प्राकृतिक रोशनी का उपयोग करना और लागत एवं ऊर्जा खपत को कम करने के लिए कुशल प्रकाश व्यवस्था को अपनाना। इसके साथ ही, जहाँ भी संभव हो, हडको के सभी कार्यालयों में रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित करना।
- पूरे देश में हडको द्वारा वित्तपोषित और/या निर्मित परियोजनाओं में ऊर्जा कुशल भवन डिजाइनों को शामिल करना।
- हडको अपने हितधारकों को ऊर्जा कुशल भवन प्रथाओं और हरित ऊर्जा के उपयोग को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
- ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए हडको के कार्यालयों में सभी एचवीएसी (- हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग) प्रणालियों का नियमित रखरखाव सुनिश्चित करना।
- हडको उपयुक्त ऋण/अग्रिम पैकेजों के माध्यम से अपने कर्मचारियों को ई-वाहनों की खरीद और उपयोग के लिए प्रोत्साहित करेगा।
- उच्च ऊर्जा खपत वाले उपकरणों की पहचान करने के लिए दक्षता ऊर्जा ऑडिट आयोजित करना, और उनकी बिजली खपत कम करते हुए उनके प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए इन उपकरणों को रेट्रोफिट करना।

हडको अपने उधारकर्ताओं के साथ समझौता करते समय नियमों और शर्तों के हिस्से के रूप में, हडको द्वारा वित्तपोषित सभी परियोजनाओं में कुशल ऊर्जा खपत और संचालन के सुदृढ़ रूपों के इन सिद्धांतों को शामिल करना सुनिश्चित करेगा।

(ii) पर्यावरण और सामाजिक जोखिम प्रबंधन

पर्यावरण के प्रति जागरूक दृष्टिकोण अपनाना कॉर्पोरेट जिम्मेदारी, हितधारक जुड़ाव और हमारे संचालन की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए अनिवार्य है । हडको प्रचालन, वित्तीय और जोखिम प्रबंधन निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में पर्यावरणीय प्रभाव आकलन को एकीकृत करता है।

हडको अपनी परियोजना और संस्था मूल्यांकन प्रक्रियाओं में ईएसजी कारकों को शामिल करके पर्यावरण, सामाजिक और शासन संबंधी जोखिमों के प्रति अपने जोखिम को कम करेगा । हडको उधार लेने वाली संस्थाओं के भीतर शासन की जवाबदेही, पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मूल्यांकन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में संबंधित व्यावसायिक प्रभाग एक ईएसजी चेकलिस्ट विकसित करेंगे।

हडको सतत विकास लक्ष्यों और प्रासंगिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फ्रेमवर्क की उपलब्धि का समर्थन करने के लिए वित्तपोषण निर्णयों में स्थिरता के विचारों को शामिल करने का प्रयास करेगा।

हडको यह सुनिश्चित करेगा कि ऋण की अवधि के दौरान, उधारकर्ता पर्यावरण, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक मानदंडों का पालन करेगा। इसे सुनिश्चित करने के लिए, हडको स्वच्छ ऊर्जा वित्तपोषण में विभिन्न सुविधाओं के लिए ऋण समझौते/स्वीकृति में उपयुक्त शर्तें निर्धारित करेगा।

परियोजना वित्तपोषण में, हडको यह सुनिश्चित करेगा कि सुविधा के वितरण से पहले, उधारकर्ता द्वारा देश के कानून के अनुसार लागू कानून के सभी प्रावधानों और मंजूरी को प्राप्त कर लिया गया है।

(iii) सतत अपशिष्ट प्रबंधन

हडको ने विभिन्न पहलों के माध्यम से देश में अपशिष्ट प्रबंधन और इसके कुशल निपटान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए हडको ने 1994 में एक 'अपशिष्ट प्रबंधन सेल' की स्थापना की है। हडको अपनी परामर्श सेवाओं और ऐसी परियोजनाओं के वित्तपोषण के माध्यम से ठोस और तरल कचरे के प्रभावी और वैज्ञानिक प्रबंधन में अपने हितधारकों का मार्गदर्शन कर रहा है और आगे भी करता रहेगा, जिसका उद्देश्य दीर्घकालिक स्थिरता के लिए कचरे को कम करना, पुनः उपयोग करना और पुनर्चक्रण करना है। इसमें कचरा संग्रहण और परिवहन के लिए वाहन क्षमता की गणना, ऊर्जा प्राप्ति के लिए बायो-मेथेनेशन/आरडीएफ/पैलेटाइजेशन संयंत्रों की स्थापना और सामग्री रिकवरी के लिए कंपोस्टिंग संयंत्रों का चयन भी शामिल है।

हडको कचरे से ऊर्जा बनाने वाली परियोजनाओं , जिनमें खोई (bagasse) आधारित सह-उत्पादन संयंत्र शामिल हैं, के लिए रियायती ऋण और सब्सिडी प्रदान कर रहा है। इन परियोजनाओं का लक्ष्य ग्रीनहाउस गैसों को कम करना है और इन्हें 'नेट जीरो' कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की पहल के तहत वित्तपोषित किया जाता है। हडको अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रियाओं में सुधार करने और भारत में शहरी वातावरण की समग्र स्थिरता और स्वच्छता में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन जारी रखेगा।

हडको अपने संचालन, लेनदेन और संचार में कागज के उपयोग के प्रति सचेत है। यह ई-ऑफिस प्रणाली के कार्यान्वयन के माध्यम से सेवाओं और उत्पाद श्रृंखला में कागज की खपत को कम करना और डिजिटल होने की दिशा में प्रयास जारी रखेगा। कागज के उपयोग में पर्याप्त कमी लाने के लिए विभिन्न कार्यालयों में कर्मचारियों द्वारा की जाने वाली प्रिंटिंग और फोटोकॉपी गतिविधियों को भी विनियमित किया जाएगा।

इसके अलावा, हडको अपने कार्यालयों, शाखाओं के साथ-साथ अपने प्रचार, विपणन और आउटरीच कार्यक्रमों में सभी प्रकार के प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का प्रयास करेगा।

(iv) हरित वित्तपोषण मैकेनिज्म

पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने और नवीकरणीय ऊर्जा तथा जलवायु के अनुकूल पहलों का समर्थन करने के उद्देश्य से, हडको जहाँ भी आवश्यक हो, विभिन्न हरित वित्तपोषण मैकेनिज्म जैसे कि ग्रीन बॉन्ड्स, ग्रीन आरईआईटी आदि के माध्यम से संसाधन जुटाने की परिकल्पना करता है। इस प्रकार जुटाई गई राशि का उपयोग नवीकरणीय ऊर्जा, हरित भवन, जल संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन जैसी हरित परियोजनाओं को ऋण देने के लिए किया जाएगा।

हडको ग्रीन बॉन्ड्स में निवेश की क्षमता को भी समझता है, जो पर्यावरण के संरक्षण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग के समर्थन और जलवायु के लिए लाभदायक पहलों को बढ़ावा देने को दर्शाता है । ग्रीन बॉन्ड्स में निवेश करने से हडको को अपने निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने और जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय गिरावट से जुड़े जोखिमों को कम करने में भी मदद मिलेगी। पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ परियोजनाओं का समर्थन करके, हडको गैर- सुदृढ़ प्रक्रियाओं से जुड़े नियामक, प्रतिष्ठित और प्रचालन जोखिमों के जोखिम को कम कर सकता है ।

3.2 सामाजिक लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता

(i) सतत, समावेशी और किफायती सामाजिक आवास:

एक प्रमुख तकनीकी-वित्तीय संस्था के रूप में, हडको का संचालन इसके कॉर्पोरेट विजन और मिशन वक्तव्यों द्वारा निर्देशित होता है, जो जनमानस के आजीविका बदलाव के लिए सुदृढ़ पर्यावास विकास को बढ़ावा देने की संगठन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

हडको उन किफायती (सामाजिक) आवास परियोजनाओं की पहचान करना और उन्हें समर्थन देना जारी रखेगा, जो समुदाय के कमजोर वर्गों की रहने की स्थिति में सुधार करने के साथ-साथ पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त करने में मदद करेंगी। बेघर व्यक्तियों और परिवारों के लिए अल्पकालिक, दीर्घकालिक और सहायक आवास हस्तक्षेपों के शारीरिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक लाभ होंगे, जिससे समाज में हाशिए पर रहने वाले (वंचित) वर्गों का अधिक सशक्तिकरण और समावेशन होगा।

हडको आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) के माध्यम से भारत सरकार की विभिन्न कार्ययोजना योजनाओं के नीति निर्माण और कार्यक्रम कार्यान्वयन में भी सक्रिय रूप से शामिल रहेगा। यह भागीदारी परियोजनाओं की साध्यता/व्यवहार्यता, व्यावहारिकता और स्थिरता के मूल्यांकन तथा उनकी प्रगति व पूर्णता की निगरानी के माध्यम से की जाएगी।

हडको अपने कार्यों व संचालन की प्रकृति को सतत बनाए रखने के प्रति निरंतर सचेत रहा है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि हडको द्वारा वित्तपोषित या मूल्यांकित सभी आवास परियोजनाएं 'हरित विशेषताओं' जैसे—ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन के अनुरूप हों।

(ii) सीएसआर के अंतर्गत पहल

हडको की सीएसआर नीति सामाजिक-आर्थिक विकास, समुदायों के सशक्तिकरण, क्षमता निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, हरित और ऊर्जा-दक्ष प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने तथा पिछड़े क्षेत्रों के विकास को प्रोत्साहित करती है। इसमें विशेष रूप से उन परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जिनसे समाज के हाशिए पर रहने वाले (वंचित) और पिछड़े वर्गों को लाभ मिले।

इस ईएसजी - नीति के एक हिस्से के रूप में, हडको की सीएसआर पहलें नागरिकों—विशेष रूप से गरीबों और वंचितों—के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं में सुधार करने पर अपना ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगी। साथ ही, हरित और ऊर्जा-दक्ष प्रौद्योगिकियों के विकास के माध्यम से समावेशी विकास, समुदायों के सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जाएगा। हडको यह सुनिश्चित करेगा कि सभी सीएसआर पहलों को सामाजिक रूप से लाभकारी परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्रियान्वित किया जाए, ताकि लाभार्थियों के एक विस्तृत वर्ग तक पहुंचा जा सके।

(iii) देश भर में कौशल विकास अभियान

हडको विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के लिए आवश्यकता-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करके, उनके रोजगार-योग्यता स्तर में सुधार के अवसर उपलब्ध कराकर, हाशिए पर रहने वाले (वंचित) समुदायों के कौशल विकास को निरंतर समर्थन देने में अग्रणी रहा है।

- **लैंगिक कार्ययोजना:** 'संकल्प' कार्यक्रम के तहत, हडको ने कौशल प्रशिक्षण में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने और उसमें सुधार करने के लिए एक 'जेंडर एक्शन प्लान' विकसित किया है।

- **डिजिटल कौशल प्रशिक्षण:** डिजिटल प्रौद्योगिकियां महिलाओं और लड़कियों के आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर प्रदान करती हैं। इसलिए, भागीदारों के सहयोग से, हडको ने वंचित समुदायों की महिलाओं के बीच 'डिजिटल कौशल की गैप' को पाटने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसमें क्लाउड और डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉकचेन, मशीन लर्निंग, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे तकनीकी पाठ्यक्रमों के साथ-साथ समग्र विकास के लिए गैर-तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण शामिल है।

- **सहयोगात्मक पहलें:** गैर सरकारी संगठनों और अन्य संगठनों के साथ सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, हडको ने कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों, उत्पादन केंद्रों और खुदरा दुकानों का समर्थन किया है, जो महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं।

- हडको ने निर्माण उद्योग में महिला श्रमिकों के लिए 'कौशल उन्नयन' प्रशिक्षण शुरू किया, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा और वे स्वतंत्र रूप से कार्य और संविदा लेने में सक्षम हुईं। इससे उन्हें बेहतर मजदूरी प्राप्त करने में मदद मिली और इस प्रकार लैंगिक अंतर को पाटने में सहायता प्राप्त हुई।

हडको ने हाथ से मैला ढोने वालों (manual scavengers) और उनके आश्रितों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें किसी भी आय-सृजन वाले उद्योग में नौकरी करने में सक्षम बनाने तथा स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए 'कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों' का समर्थन किया है। कर्मयोगी कार्यक्रम आदि जैसी कौशल विकास पहलों पर भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, हडको अपने समर्पित अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान—ह्युमन सैटलमेंट मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट (एचएसएमआई)—के माध्यम से पर्यावास क्षेत्र के सभी संबंधित हितधारकों के लिए विभिन्न कौशल प्रशिक्षण और क्षमता विकास गतिविधियां आयोजित करेगा।

(iv) सामाजिक प्रभाव बॉन्ड/ऋण

सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड एक प्रकार के बॉन्ड होते हैं जहाँ बॉन्ड जारीकर्ता उन परियोजनाओं के लिए फंड जुटाता है जिनके कुछ सामाजिक रूप से लाभकारी निहितार्थ होते हैं । हडको के लिए पात्र सामाजिक परियोजनाओं में किफायती आवास परियोजनाएं शामिल हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग , कम आय वर्ग, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और समाज के अन्य संवेदनशील वर्गों को लाभ पहुँचाती हैं । इसके अतिरिक्त, इनमें मुख्य शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे जल आपूर्ति, स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सड़कें, परिवहन आदि और सामाजिक इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं जैसे शैक्षणिक संस्थान, स्वास्थ्य देखभाल इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि शामिल हैं। हडको के व्यावसायिक पोर्टफोलियो को देखते हुए, हडको 'सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड्स' (SIBs) और/या 'सोशल लोन्स' (सामाजिक ऋण) के माध्यम से संसाधन जुटाने की संभावनाएं तलाशेगा। भारतीय वित्तपोषण कंपनियों द्वारा अब तेजी से इस विकल्प को अपनाया जा रहा है ताकि ऐसी वित्तीय व्यवस्था सुरक्षित की जा सके जो जनसंख्या के गरीब और वंचित वर्गों को ऋण देने में सहायता कर सके।

हडको ने वास्तव में समानता के सिद्धांतों को पूरी तरह से अपनाया है, ताकि किसी भी ऐसी सामाजिक बाधा को रोका और तोड़ा जा सके जो भविष्य की हमारी यात्रा में रुकावट बन सकती है। हडको सतत पर्यावास विकास प्राप्त करने और लोगों के जीवन को रूपांतरित करने के लिए अटूट समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा करना जारी रखेगा।

3.3 खरीद प्रक्रियाएं

हडको अपशिष्ट को कम करने, दक्षता में सुधार करने, कार्बन फुटप्रिंट को घटाने और मानवाधिकारों एवं श्रम कार्यप्रणालियों के प्रति प्रतिबद्धता को समझने के लिए अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता को स्वीकार करता है। इस प्रकार, हडको अपनी खरीद प्रक्रियाओं में पर्यावरणीय और सामाजिक विचारों के अधिक एकीकरण की दिशा में काम करना जारी रखेगा।

हडको उन उत्पादों की खरीद के प्रयास करेगा जो: पुनर्चक्रित हों; पर्यावरण के अनुकूल हों; ऊर्जा कुशल हों; और स्थानीय स्तर पर प्राप्त किए गए हों। हडको विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लिए अपने व्यावसायिक क्षेत्रों में श्रम कानूनों, मानवाधिकारों और विनियमों का पालन करने हेतु स्पष्ट अपेक्षाएं भी निर्धारित करेगा। उनसे बाल श्रम, जबरन श्रम या मानव तस्करी से संबंधित कानूनों का कड़ाई से पालन करने की अपेक्षा की जाती है।

3.4 सशक्त कार्यबल का निर्माण

(i) गैर-भेदभाव और समान अवसर

हडको विविध कार्यबल के मूल्य को स्वीकार करता है और एक ऐसे समावेशी कार्यस्थल एवं कार्य संस्कृति के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें सभी कर्मचारियों के साथ सम्मान और गरिमा के साथ समान व्यवहार किया जाए । हडको की 'समान अवसर नीति' दिव्यांगता, जाति, जनजाति, नस्ल, क्षेत्र, धर्म, वैवाहिक स्थिति, विश्वास, रंग या लिंग के आधार पर बिना किसी भेदभाव के समान रोजगार के अवसर प्रदान करती है । कंपनी एक न्यायसंगत कार्यस्थल वातावरण को बढ़ावा देने का प्रयास करती है और इन आधारों पर किए गए किसी भी कदाचार को सहन नहीं करेगी।

हडको प्रत्येक कर्मचारी के मूल्य को पहचानता है और एक समावेशी एवं सकारात्मक कार्य वातावरण प्रदान करता है जो इसके कार्यबल के भीतर विकास और दक्षता को बढ़ावा देता है। कंपनी कार्यस्थल में विविधता और समान अवसर सुनिश्चित करेगी और इस बात पर जोर देती है कि करियर में प्रगति केवल प्रतिभा और प्रदर्शन पर आधारित होगी।

(ii) कर्मचारी नैतिकता और आचार संहिता

सर्वोत्तम कॉर्पोरेट गवर्नेंस (कॉर्पोरेट प्रशासन) प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने के लिए, कंपनी ने अपने बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक "व्यावसायिक आचरण और नैतिकता संहिता" तैयार की है, जिसका उद्देश्य इसके व्यावसायिक मामलों के प्रबंधन में उच्च स्तर की नैतिकता और पारदर्शिता लाना है। हडको की आचार संहिता सुशासन, व्यावसायिक नैतिकता और उन मानदंडों को बढ़ावा देने पर जोर देती है, जिनका पालन हडको के सभी कर्मचारियों को हर समय करना चाहिए। हडको की किसी भी कर्मचारी द्वारा किए जाने वाले किसी भी कदाचार या अनैतिक व्यवहार के प्रति 'बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने' (जीरो टॉलरेंस) की नीति रही है और आगे भी रहेगी।

(iii) कर्मचारी कल्याण और लाभ

हडको अपने कर्मचारियों के साथ एक उत्पादक और व्यवस्थित संपर्क बनाकर सुशासन की प्रक्रिया में सहायक रहा है। कंपनी यह स्वीकार करती है कि किसी भी कॉर्पोरेट निकाय के प्रचालन और प्रयासों में सफलता के लिए, कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहन और लाभ लागू होना आवश्यक है ताकि समग्र रूप से कॉर्पोरेट निकाय के प्रदर्शन को अधिकतम किया जा सके।

(iv) करियर प्रगति और कर्मचारी लाभ

कंपनी लिंग, जाति, पंथ, धर्म, क्षेत्र, शारीरिक क्षमता और सैन्य/अनुभवी स्थिति के बीच प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए एक समावेशी संस्कृति बनाना जारी रखेगी। करियर विकास को प्रोत्साहित करने, कर्मचारियों को कौशल बढ़ाने में मदद करने और उनके टैलेंट पूल की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने के लिए, कंपनी के पास प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली, पदोन्नति नीति और जॉब रोटेशन नीति है। हडको अपनी मानव संसाधन प्रक्रियाओं को उद्योग की सर्वोत्तम प्रक्रिया के साथ जोड़ने और अन्य सीपीएसई के समकक्ष रखने का प्रयास करता है, जैसे कि छुट्टियां, एचआर नीतियां, कर्मचारी पुरस्कार प्रणाली आदि। हडको अपने कर्मचारियों को कम ब्याज दरों पर घर, कार, कल्याण आदि के लिए ऋण अग्रिम जैसे प्रोत्साहन और लाभ प्रदान करता है।

(v) कर्मचारी स्वास्थ्य और कल्याण

हडको यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि उसके सभी कर्मचारियों को स्वास्थ्य सुरक्षा और समग्र कल्याण से संबंधित उद्योग की सर्वोत्तम नीतियों का लाभ मिले। हडको अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में सेमिनार आयोजित करके विभिन्न गंभीर बीमारियों और उनके रोकथाम के तरीकों के बारे में कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने की अपनी प्रक्रिया को जारी रखेगा। हडको यह सुनिश्चित करेगा कि उम्र और लिंग की परवाह किए बिना उसके सभी कर्मचारियों की शारीरिक कल्याण सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य जांच (हेल्थ चेक-अप) की जाए, और उन्हें

उचित स्वास्थ्य देखभाल एवं चिकित्सा कवरेज प्राप्त हो। कंपनी की नींव को और मजबूत करने तथा एकता की अवधारणा को अपनाने के लिए हडको विभिन्न मनोरंजक और टीम सुदृढ़ीकरण गतिविधियाँ आयोजित करेगा ताकि एक इकाई के रूप में कार्य किया जा सके।

(vi) महिला सुरक्षा

यौन उत्पीड़न की रोकथाम (POSH) पर हडको की 'शून्य सहिष्णुता' नीति है, जिसका उद्देश्य जागरूकता पैदा करना और इस संबंध में किसी भी उल्लंघन का समाधान करना है। इसके लिए एक आंतरिक शिकायत समिति (ICC) गठित है जो यौन दुराचार के मामलों, यदि कोई हो, की निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से जाँच करती है और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करती है। हडको सभी महिला कर्मचारियों, विशेष रूप से व्यावसायिक आवश्यकताओं के कारण देर तक काम करने वाली महिलाओं के कल्याण को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

(vii) प्रशिक्षण और विकास

हडको निरंतर कौशल उन्नयन और कर्मचारी विकास का समर्थन करने के लिए मानव पूंजी में निवेश करने हेतु प्रतिबद्ध है । हडको प्रशिक्षणों के माध्यम से कार्यबल के व्यवसाय-संबंधित कौशल विकास का समर्थन करना जारी रखेगा। कर्मचारियों के करियर विकास को समय-समय पर उद्योग-प्रासंगिक अपस्किलिंग कार्यक्रमों के माध्यम से और जहाँ भी लागू हो, बाहरी संस्थानों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रासंगिक पाठ्यक्रमों या कार्यक्रमों को पूरा करने हेतु सहायता प्रदान करके समर्थन दिया जाएगा।

हडको सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण और विकास के अवसर प्रदान करने और बढ़ावा देने वाले अनुकूल वातावरण के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

(viii) शिकायत निवारण

निष्पक्ष और न्यायसंगत रोजगार संबंधों को बढ़ावा देने के लिए, कर्मचारियों के लिए 'शिकायत निवारण योजना' भी लागू है जो शिकायतों के समयबद्ध निवारण को सुनिश्चित करती है।

3.5 ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना

ग्राहक केंद्रितता हडको के व्यावसायिक लोकाचार और मूल्य सृजन के प्रस्ताव के मूल में है । कंपनी एक एनबीएफसी है जो वित्तीय उत्पाद प्रदान करती है, इसलिए यह सुनिश्चित किया जाता है कि पट्टा/ऋण समझौतों, दस्तावेजों और कॉर्पोरेट वेबसाइट के माध्यम से अपने ऋणकर्ताओं को पर्याप्त जानकारी और प्रकटीकरण उपलब्ध कराए जाएं।

एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी होने के नाते, हडको ने भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी 'फेयर प्रैक्टिस कोड' संबंधी मास्टर सर्कुलर के अनुसार अपने दिशानिर्देश तैयार किए हैं, जो ऋणकर्ता के साथ अपनाई जाने वाली निष्पक्ष ऋण प्रक्रियाओं को निर्धारित करते हैं।

इसके अलावा, हडको की पारदर्शी और सुलभ शिकायत निवारण प्रणालियाँ ग्राहकों की चिंताओं और फीडबैक का समाधान सुनिश्चित करती हैं। कंपनी अपने कर्मचारियों को गलत संचार की रोकथाम, ग्राहकों की वित्तीय सुरक्षा और डेटा गोपनीयता के प्रति संवेदनशील बनाना जारी रखेगी।

हडको ग्राहकों की अपेक्षाओं और प्रतिस्पर्धा से आगे निकलने के लिए सर्वोत्तम ग्राहक अनुभव प्रदान करने का प्रयास करेगा। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए, हडको का व्यावसायिक प्रभाग एक 'ग्राहक फीडबैक फॉर्म' तैयार करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि नियमित अंतराल पर सभी बड़े ऋणकर्ताओं से ऐसे फीडबैक फॉर्म प्राप्त किए जाएं।

3.6 हितधारकों के प्रति पारदर्शिता और जवाबदेही

हडको इस उत्तरदायित्व को स्वीकार करता है कि निर्णय लेते समय सभी हितधारकों के हितों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। कंपनी हितधारकों की अपेक्षाओं और चिंताओं को समझने तथा उनकी शिकायतों का निष्पक्ष एवं रचनात्मक तरीके से निवारण करने के लिए सिस्टम, प्रक्रियाओं और तंत्र को विकसित करने हेतु प्रतिबद्ध है ।

'व्हिसिल ब्लोअर नीति' के माध्यम से, हडको कर्मचारियों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, विक्रेताओं, शेयरधारकों और अन्य हितधारकों सहित विभिन्न हितधारकों को सशक्त और प्रोत्साहित करना जारी रखेगा। इसके तहत वे बिना किसी प्रतिशोध, बदले की भावना, भेदभाव या उत्पीड़न के डर के, हमारी आचार संहिता/नैतिक मानदंडों, कानूनी या वैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन या समझौते से जुड़े किसी भी मुद्दे को कंपनी के संज्ञान में ला सकते हैं

3.7 कॉर्पोरेट गवर्नेंस (कॉर्पोरेट शासन) के प्रति प्रतिबद्धता

हडको का यह मानना है कि नैतिक और पारदर्शी व्यावसायिक प्रक्रियाओं के साथ कॉर्पोरेट गवर्नेंस के उच्च मानक, अधिक प्रभावशीलता, दक्षता और बेहतर व्यावसायिक परिणामों की ओर ले जाते हैं । सुशासन की अच्छी प्रक्रियाओं का पालन करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पारदर्शिता, निष्पक्षता, अंतरात्मा, टीम वर्क, व्यावसायिकता और जवाबदेही पर आधारित है । यह सर्वोत्तम मानकों का पालन करने और हमारे हितधारकों के बीच विश्वास पैदा करने का मार्ग प्रशस्त करता है, जो हमारे उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है ।

सर्वोत्तम कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने के लिए, कंपनी ने अपने बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक "व्यावसायिक आचरण और नैतिकता संहिता" तैयार की है, जो व्यावसायिक मामलों के प्रबंधन में उच्च स्तर की नैतिकता और पारदर्शिता लाने का प्रयास करती है ।

हडको कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर सभी अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करेगा और अपनी सीमा में आने वाली अधिकांश स्वैच्छिक आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करेगा, जैसा कि निम्नलिखित के तहत निर्धारित है: कंपनी अधिनियम, 2013, सेबी विनियम, 2015, डीपीई द्वारा जारी सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देश, 2010, भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी कॉर्पोरेट गवर्नेंस और सचिवीय मानक, हडको की आचार संहिता व्यावसायिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, जिम्मेदारी और जवाबदेही को मजबूत करने की प्रतिबद्धता की नींव रखती है। हडको आचरण, अनुशासन और अपील नियमों को सुनिश्चित करता है, जो सभी कर्मचारियों के लिए आचार संहिता को परिभाषित करते हैं और रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार आदि को कदाचार के रूप में मान्यता देते हैं । हडको अपनी

आचार संहिता के माध्यम से नैतिक रूप से सुदृढ़ सिद्धांतों को स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ मनी लॉन्ड्रिंग, हितों का टकराव, इनसाइडर ट्रेडिंग, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, भेदभाव, सूचना की गोपनीयता, प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाएं, व्हिसलब्लोइंग, सामुदायिक विकास और पर्यावरण संरक्षण शामिल हैं।

हडको ने सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए उचित नीतियां और प्रक्रियाएं लागू की हैं । कंपनी बदलती तकनीक और नियामक परिदृश्य के अनुरूप आईटी गवर्नेंस, इन्फ्रास्ट्रक्चर और नियंत्रण तंत्र को उन्नत करने के लिए प्रतिबद्ध है । इसे मजबूत 'व्यावसायिक निरंतरता योजनाओं' और घटना प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं का समर्थन प्राप्त होगा।

हडको सभी लागू कानूनों के अनुपालन में अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी के निष्पक्ष, समान और सार्वभौमिक प्रकटीकरण और प्रसार के लिए भी प्रतिबद्ध रहेगा । तदनुसार, 'अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी के निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए आचरण और प्रक्रियाओं की संहिता' उन घटनाओं और प्रसंगों का प्रकटीकरण सुनिश्चित करती है जो बाजार में मूल्य खोज को प्रभावित कर सकते हैं।

हडको सर्वोत्तम मान्यता प्राप्त कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रक्रियाओं को अपनाना और उनका पालन करना जारी रखेगा। यह नैतिक व्यावसायिक प्रक्रियाओं का पालन करेगा और सभी प्रासंगिक कानूनों, विनियमों और अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा । हडको अपने व्यावसायिक प्रचालन से संबंधित सभी प्रकार के आंतरिक और बाहरी जोखिमों की पहचान करने, उनका आकलन करने और उन्हें कम करने के लिए मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाएं लागू करेगा । इसके अलावा, सर्वोत्तम प्रक्रियाओं और बदलते नियामक आवश्यकताओं के साथ संरेखण सुनिश्चित करने के लिए अपनी शासन प्रक्रियाओं की नियमित रूप से समीक्षा और अद्यतन करेगा।

4. ईएसजी प्रकटीकरण और रिपोर्ट

कंपनी द्वारा 10 मई 2021 के सेबी परिपत्र में परिभाषित 'बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग' संरचना के अनुसार, या समय-समय पर किसी भी शासी निकाय द्वारा जारी विभिन्न परिपत्रों/दिशानिर्देशों/निर्देशों के तहत आवश्यक प्रकटीकरण और रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाएगी।

इस नीति फ्रेमवर्क की निरंतर उपयुक्तता, पर्याप्तता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार इसकी समीक्षा की जाएगी। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को इस नीति में मामूली संशोधनों को मंजूरी देने और कानून के लागू/संशोधित प्रावधानों के अनुपालन हेतु या नियामकों द्वारा जारी किसी भी निर्देश, परिपत्र आदि के अनुपालन के लिए आवश्यक बदलाव करने तथा इस नीति की व्याख्या के संबंध में किसी भी मुद्दे को सुलझाने के लिए अधिकृत किया गया है।

इस नीति में उल्लिखित उपरोक्त क्षेत्रों के संबंध में की जाने वाली कार्रवाइयों का समन्वय अनुलग्नक-I में दर्शाए गए संबंधित प्रभाग द्वारा किया जाएगा और इसकी रिपोर्ट प्रबंधन को दी जाएगी।

हडको अपनी कॉर्पोरेट संस्कृति और व्यावसायिक संचालन में ईएसजी सिद्धांतों को शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा, और इस ईएसजी नीति का पालन करते हुए तथा अपने हितधारकों और राष्ट्र को मूल्य प्रदान करते हुए वांछित लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में कार्य करेगा।

*****

अनुलग्नक – I

ईएसजी नीति रिपोर्टिंग के लिए संबंधित विंग/विभाग

फोकस क्षेत्र	**संबंधित विभाग**
3.1. जलवायु परिवर्तन रणनीति: • ऊर्जा और उत्सर्जन, • हरित ऊर्जा/ऊर्जा दक्षता पहल, • ई-अपशिष्ट	संपदा प्रबंधन / प्रशासन / आईटी
3.2 पर्यावरणीय एवं सामाजिक जोखिम प्रबंधन	प्रचालन
3.3 खरीद प्रक्रियाएँ	प्रशासन
3.4 सशक्त कार्यबल का निर्माण: • भेदभाव-रहित व्यवहार, निष्पक्ष बर्ताव और समान अवसर, • करियर में प्रगति और कर्मचारी लाभ, • कर्मचारी स्वास्थ्य और खुशहाली, • कर्मचारी नैतिकता और आचार संहिता, • महिलाओं की सुरक्षा, • प्रशिक्षण और विकास, • शिकायत निवारण	मानव संसाधन/एचएसएमआई
3.5 बेहतर ग्राहक अनुभव	प्रचालन
3.6 समुदाय और समाज	सीएसआर
3.7 हितधारकों के प्रति पारदर्शिता और जवाबदेही	सतर्कता / आंतरिक लेखा-परीक्षा / कंपनी सचिव / अनुपालन / जोखिम प्रबंधन
3.8 कॉर्पोरेट गवर्नेंस	सीएस / आईटी